

# শ্রী হানুমান চালিসা (Hanuman Chalisa in Bengali)

## Introduction

**Hanuman Chalisa** হল এক মোকমালা যা প্রভু হনুমানের শক্তি, সাহস ও ভক্তি প্রকাশ করে। এটি পড়লে ভক্তের মন শান্ত হয়, আত্মবিশ্বাস বৃদ্ধি পায় এবং জীবনের বিভিন্ন সমস্যায় সাহায্য করে। এখন এটি **Bengali** ভাষায় পাওয়া যাচ্ছে, যাতে সবাই সহজে পড়তে এবং বু�াতে পারে।

### দোহা (Doha)

শ্রীগুরু চরণ স্নোজ রজ,  
নিজ মন মুকুর সংশোধন করিঃ।  
বরন করি রঘুবর বিমল যশ,  
যা দেয় চারাটি ফল।

বুদ্ধিহীন তনু জানিয়া,  
স্মরো পবন কুমার।  
বল, বুদ্ধি, বিদ্যা দাও মোরে,  
দূর কর কোলাহল ও দুঃখ।

### চৌপাই (Chaupai) ১-৪০

- জয় হনুমান জ্ঞান গুণ সাগর।  
জয় কপিস তিহ লোক উজ্জাগর॥
- রাম দৃত অতুলিত বল ধামা।  
অঞ্জনি পুত্র পবনসূত নামা॥
- মহাবীর বিদ্রঃ বজরঙ্গী।  
কুমতি নিবার সুমতি কে সঙ্গী॥
- কঁচন বরন বিরাজ সুবেসা।  
কানন কুন্ডল কৃষ্ণিত কেসা॥

- 5.** হাতে বজ্র ও ধ্রজা বিরাজে।  
কাঁধে মুঞ্চ যনিউ সাজে॥
- 6.** শঙ্কর সুভান কেসরী নন্দন।  
তেজ প্রতাপ মহা জগ বন্দন॥
- 7.** বিদ্যাবান গুণী অতি চতুর।  
রাম কাজ করিবে কো আতুর॥
- 8.** প্রভু চরিত্র শুনিবে কো রসিয়া।  
রাম লক্ষণ সীতা মন বাসিয়া॥
- 9.** সৃষ্টকৃপ ধরি সিয়াহি দেখাওয়া।  
বিকটকৃপ ধরি লঙ্ক লঙ্ক ভ্রারাওয়া॥
- 10.** ভীমরূপ ধরি অসুর সংহারে।  
রামচন্দ্র কে কাজ সংহারে॥
- 11.** লায়ে সঙ্গীবন লক্ষণ জিয়ায়ে।  
শ্রী রঘুবীর হর্ষি উর লায়ে॥
- 12.** রঘুপতি কিনহি বহুত বড়াই।  
তুম মম প্রিয় ভরত হি সম ভাই॥
- 13.** সহস বদান তুমহরো যশ গাওঁ।  
অস কহি শ্রীপতি কঁঠ লাগাওঁ॥
- 14.** সনকাদিক ব্ৰহ্মাদি মুনিস।  
নারদ সারন সহিত অহিসা॥
- 15.** যম কুবের দিগপাল যেথানে।  
কবি কোবিদ কহি সকে কোথা॥
- 16.** তুম উপকার সংগীবহি কীনহা।  
রাম মিলায় রাজ পদ দীনহা॥
- 17.** তুমহরো মন্ত্র বিভীষণ মানা।  
লক্ষ্মের ভয়ে সব জগ জানা॥
- 18.** যুগ সহস্র যোগান পর ভানু।  
লিলেয় তাহি মধুর ফল জানু॥

- 19.** प्रज्ञमूर्दिका मेलि मुथ माही।  
जलधि लांडिंग गिये अचरज नाही॥
- 20.** दृग्म काज जगत के जेते।  
सुगम अनुग्रह तुमहरे तेते॥
- 21.** राम दूयार तुम रक्षा बाहारे।  
हत न आज्ञा विनु पाइसा पेरे॥
- 22.** सब सुथ लाहे तुमहारी सर्ना।  
तुम रक्षक काह को दार ना॥
- 23.** आपन तेज संहारो आपनि।  
तिन लोक हांक तेन काँपे॥
- 24.** भूत पिशाच निकट नहि आसे।  
महावीर यथन नाम शुलाये॥
- 25.** नाशे रोग हरे सब पीडा।  
जपत नि रस्तर हनुमत बीरा॥
- 26.** संकट थेके हनुमान छुडाओया।  
मन, क्रम, बचन, ध्यान जो लाये॥
- 27.** सब पर राम तपस्त्री राजा।  
तिन के काज सब तुम साजा॥
- 28.** एवं मनोरथ जो कोनि लाये।  
सहि अमित जीवन फल पाये॥
- 29.** चारो युग प्रताप तुमहारा।  
ह्य पारसिन्द्र जगत उज्जियारा॥
- 30.** साधुसन्त के तुम रक्षक।  
असूर निकन्दन राम दुलारे॥
- 31.** अष्ट मिन्दि नय लिधि के दाता।  
अस बर दीन जानकी माता॥
- 32.** राम रसायन तुमहरे पासा।  
सदा राहो रघुपति के दासा॥

**33.** তুমহরে ভজন রাম কে পায়ে।  
জন্ম জন্ম কে দুখ বিসরায়ে॥

**34.** অন্তকাল রঘুবর পূর জাই।  
যেখানে জন্ম হরি ভক্ত কহাই॥

**35.** এবং দেবতা চিত্ত ন ধরেই।  
হনুমত সেয়ি সব সুখ করে॥

**36.** সংকট কাটে মিটে সব পীড়া।  
জো স্মিরাই হনুমত বলবীরা॥

**37.** জয় জয় জয় হনুমান গোসাই।  
কৃপা করছ ওরু দেব কি নাই॥

**38.** জো শত বার পাঠ কর কেউ।  
চুটি বন্ধি মহান সুখ হয়॥

**39.** জো এটি পড়ে হনুমান চালিসা।  
হয় সিদ্ধি সাথি গৌরিসা॥

**40.** তুলসীদাম সদা হরি চেরা।  
কীজে নাথ হদয় মহঁ ডেরা॥

## শেষ দোহা (Closing Doha)

### Bengali Script:

পবন সন্তান সংকট হরণ,  
মঙ্গলমূর্তি রূপ।  
রাম লক্ষ্মণ সীতা সহিত,  
হদয় বাস করুন, ভূপ।